भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **5613** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 4 अप्रैल, 2025/ 14 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाना है

कोलकाता पत्तन पर पोत निर्माण एवं मरम्मत सुविधाएं

†5613. श्री जगन्नाथ सरकार :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी पत्तन, कोलकाता में पोत निर्माण एवं मरम्मत सुविधा स्थापित करने के लिए कोई परियोजना आरंभ की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त परियोजनाओं के लिए कुल कितना निवेश नियोजित किया गया है और आवंटित भूमि का आकार कितना है और पट्टा समझौतों की अवधि कितनी है;

(ग) प्रारंभिक एवं आगामी चरणों में किस प्रकार के एवं आकार के पोतों के निर्माण की सुविधा है और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अनुमानित समय-सीमा क्या है; और

(घ) यह पहल घरेलू पोत निर्माण क्षमताओं को बढ़ाने और निजी क्षेत्र की भागीदारी के माध्यम से पत्तन परिसंपत्तियों का मौद्रीकरण करने की सरकार की कार्यनीति के किस प्रकार अनुरूप है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (घ): श्यामा प्रसाद मुखर्जी पत्तन, कोलकाता (एसएमपीके) में खिदिरपुर डॉक में तीन ड्राई डॉक सुविधाएं और नेताजी सुभाष डॉक में दो ड्राई डॉक सुविधाएं हैं। इन्हें संयुक्त उद्यम समझौते के माध्यम से कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) और गार्डन रीच इंजीनियर्स और शिप बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) को आउटसोर्स किया गया है। मिदनापुर (पूर्व) जिले के जेलिंगम में लगभग 5,65,848 वर्ग मीटर का एक भूखंड पोत मरम्मत, पोत निर्माण और रीसाइक्लिंग गतिविधियों के लिए मैसर्स रिप्ले एंड कंपनी स्टीवडोरिंग एंड हैंडलिंग प्राइवेट लिमिटेड और अत्रेय शिपयार्ड प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त उद्यम को 30 वर्ष की अवधि के लिए पट्टे पर दिया गया है।

एसएमपीके ने 28.03.2019 को नेताजी सुभाष डॉक (एनएसडी) में 2 ड्राई डॉक और एक बर्थ पर पोत मरम्मत प्रबंधन सुविधा के लिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) के साथ 15 वर्षों की अवधि के लिए रियायत समझौता किया है, जिसमें और 15 वर्षों के लिए नवीनीकरण का विकल्प भी है। 29.09.2019 से "सीएसएल-कोलकाता शिप रिपेयर यूनिट" (सीएसकेआरयू) के बैनर तले पोत मरम्मत कार्य शुरू हो गया है। उक्त रियायत समझौते के अनुसार, सीएसएल एसएमपीके के साथ कर पूर्व लाभ का 40% हिस्सा साझा करता है।

एसएमपीके ने 07.10.2021 को खिदिरपुर डॉक के 3 ड्राई डॉक्स पर पोत मरम्मत/पोत निर्माण संचालन और सुविधा के प्रबंधन के लिए जीआरएसई के साथ 15 वर्ष की अवधि के लिए रियायत समझौता किया है, जिसमें 15 साल के लिए नवीनीकरण का विकल्प भी है। ड्राई डॉक्स 01.12.2021 को जीआरएसई को सौंप दिए गए। उक्त रियायत समझौते के अनुसार, जीआरएसई एसएमपीके के साथ कर पूर्व लाभ का 50% साझा करता है।

जेलिंगहैम परियोजना के लिए अनुमानित निवेश विभिन्न चरणों में लगभग 2000 करोड़ रुपए है, जिसमें प्रथम चरण में लगभग 200 करोड़ रुपए शामिल हैं।

वर्तमान में, 100 मीटर तक के एलओए के छोटे जलयानों का निर्माण किया जाता है। जेलिंगम शिप बिल्डिंग और शिप रिपेयरिंग हब में, चरण 1, टग, ड्रेजर और अंतर्देशीय जलयानों जैसे छोटे क्राफ्टों की मरम्मत/निर्माण के लिए है और चरण 2, पैनामैक्स लंबाई के जलयानों के लिए होगा।

सरकार और निजी प्रचालकों को पोत निर्माण और पोत मरम्मत गतिविधियों के लिए भूमि और मरम्मत सुविधा पट्टे पर देकर, एसएमपीके नदी के किनारे उपलब्ध परिसंपत्ति का मुद्रीकरण कर रहा है। इसके अलावा, पोत निर्माण, पोत मरम्मत और रीसाइक्लिंग गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नदी के किनारे भूमि के आवंटन के माध्यम से स्वदेशी पोत निर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

*****